अनुक्रमणिका

१. ***शिक्षा एवं मनोविज्ञान*** १५-१९
शिक्षा का अर्थ एवं उसके उद्देश्य, मनोविज्ञान का अर्थ एवं शिक्षा से उसका सम्बन्ध।

२. ***पाश्चात्य एवं भारतीय मनोविज्ञान का तुलनात्मक परिचय*** २०-३०
पाश्चात्य मनोविज्ञान, भारतीय मनोविज्ञान।

३. ***भारतीय शिक्षा मनोविज्ञान के आवश्यक तत्त्व*** ३१-४०
मनुष्य की मूल प्रकृति आध्यात्मिक, समस्त ज्ञान मनुष्य के अन्तर में, एकाग्रता, ब्रह्मचर्य।

४. ***संस्कार सिद्धान्त*** ४१-४५
ज्ञानात्मक, भावनात्मक, क्रियात्मक संस्कार, कर्म संस्कार-संचित, प्रारब्ध, क्रियमाण संस्कार।

५. ***संस्कारों के कारक तत्व*** ४६-५३
आनुवंशिकता, पूर्वजन्म, वातावरण।

६. **व्यक्तित्व** ५४-६१

व्यक्तित्व का सर्वांगपूर्ण स्वरूप— पंचकोश, व्यक्तित्व के भेद-सात्विक व्यक्तित्व, राजसिक व्यक्तित्व, तामसिक व्यक्तित्व, त्रिगुणातीत व्यक्तित्व।

७. **पंचकोश** ६२-७०

अन्नमय कोश, प्राणमय कोश-प्राण के अंग-उपांग, चरित्र का विकास, मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश, आनन्दमय कोश, शरीरत्रय-स्थूल शरीर, सूक्ष्म शरीर, कारण शरीर।

८. **अन्तःकरण चतुष्टय एवं ज्ञान प्राप्ति के मार्ग** ७१-७६

मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, प्रत्यक्ष ज्ञान, अनुमान ज्ञान, शब्द ज्ञान , अन्तर्ज्ञान।

९. **मन एवं उसकी शक्तियां** ७७-८५

मन का स्वभाव, त्रिगुणात्मक मन, मन की अवस्थायें, मन के स्तर-चेतन, अवचेतन, अति चेतन, मन की शक्तियाँ।

१०. **योग विज्ञान-भारतीय मनोविज्ञान का व्यावहारिक रूप** ८६-१०२

योग की भूमिका, अष्टांग योग-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान-समाधि, नाड़ी मण्डल, चक्र एवं कुण्डलिनी शक्ति, मातृका शक्ति, ॐ (ओऽम्) योग एवं शिक्षा।